(d) whether it is also a fact that drug companies are utilising the amount due to exchequer without interest; and

(e) if so, what steps have been taken after 1985 to recover the due amount?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI J. VENGAL RAO): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) Yes Sir.

(d) and (e) The amount recoverable under Para 7(2) of DPCO, 1979 would be recovered as per due process of Law.

**Stir by Small Scale Industries**

1640. SHRI HARVENDRA SINGH HANSPAL: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a news-item captioned "Small sector stir to hit exports" as reported in the Hindustan Times dated the 16th April, 1989;

(b) if so, whether the target of exports has fallen substantially as a result thereof;

(c) whether Government propose to examine the grievances of the SSIs in view of fall in exports; and

(d) if so, what are the detals thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir. Exports have not been adversely affected.

(c) and (d) Certain post budget representations were received from various SSI associations. Government had examined these representations and taking into account the incerease in the cost of raw materials and inputs over the years, the eligibility limit of value of clearances was increased from Rs. 150 lakhs to Rs. 200 lakhs for the purposes of availing the exemption under notification No. 175/86. The scheme of notional credit under MODVAT in terms of notification No. 175/86, dated 1.3.1936 read wtih Rule 57-B of Central Excise Rules, 1944 was also extended for one year, that is, upto 31.3.1990.

**एस्बेस्टास के उत्पादन में लगी कंपनियां**

1641. **श्रीमती सत्या बहिन :** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में एस्बेस्टास के रेशों के उत्पादन में लगी कंपनियों की संख्या कितनी है, जिनका मानव शरीर की प्रतिरोधक क्षमता पर घातक प्रभाव पड़ता है ;

(ख) क्या यह सच है कि हैदराबाद एस्बेस्टॉस लिमिटेड हैदराबाद इंडस्ट्रीज लिमिटेड, एस्बेस्टॉस सीमेंटस लिमिटेड, एवरेस्ट बिल्डिंग प्रोडक्ट्स, श्री पाइप्स लिमिटेड मालाबार बिल्डिंग प्रोडक्ट्स लिमिटेड और हिन्दुस्तान फैऐडो लिमिटेड जैसे बड़े औद्योगिक एकक अभी भी एस्बस्टॉस का लगातार उत्पादन कर रहे हैं ; और

(ग) यदि हां, तो सरकार द्वारा इसके उत्पादन को रोकने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं, क्योंकि यह मानव शरीर पर दुष्प्रभाव डालता है ?

**उद्योग मंत्रालय में औद्योगिक विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री एस० अरुणाचलम):** (क) तकनीकी विकास महानिदेशालय की सूची में एस्बेस्टोस टिश्यूज का उत्पादन करने वाली कोई इकाई नहीं हैं । तथापि, भारतीय खान ब्यूरो नागपुर से प्राप्त सूचना के अनुसार देश में एस्बेस्टॉस फाइबर का उत्पादन वर्ष 1986, 1987 और 1988 के दौरान क्रमशः 26,788 मी० टन, 29,528 मी० टन, और 30,377 मी० टन (अनंतिम) रहा ।